Dr. Kaushal Kumar
B.A. part - II
Eco - II

राष्ट्रीय आय के सम्बन्ध में केन्स के विचार (Keynes' Concept of National Income) :— प्रो० केन्स (J. M. Keynes) ने राष्ट्रीय की धारणा पर नये सिरे से विचार किया। उनकी राष्ट्रीय आय की धारणा सम्पूर्ण विश्लेषण Aggregate Analysis) की धारणा पर आधारित है। केन्स के अनुसार राष्ट्रीय आय की धारणा को हम निम्नलिखित तीन दृष्टि कोणों से स्पष्ट कर सकते हैं :-

(1) प्रथम दृष्टिकोण के अनुसार हम राष्ट्रीय आय को उपभोक्ता वस्तुओं तथा विनियोग की वस्तुओं पर किये गये कुल व्यय के रूप में व्यक्त कर सकते हैं जिसे आय-व्यय दृष्टिकोण (Income-Expenditure Approach) अथवा Aggregate Expenditure on Consumption and Investment कहते हैं।

जिसमें $Y = C + I$

जिसमें Y = राष्ट्रीय आय
C = उपभोग व्यय तथा
I = विनियोग

(2) द्वितीयतः हम राष्ट्रीय आय को उत्पादन के साधनों द्वारा प्राप्त आय के रूप में व्यक्त कर सकते हैं जिसे Factor Income Approach कहा जाता है। केन्स अनुसार

$Y = F + Ep$

जिसमें Y = राष्ट्रीय आय
F = भूमि, श्रम तथा पूँजी को भुगतान, तथा
Ep = साहसियों के लाभ Entrepreneurial profit

(3) तीसरे दृष्टिकोण के अनुसार राष्ट्रीय आय कुल बिक्री में से उत्पादन व्यय को घटाने से प्राप्त होती है जिसे Sale proceeds minus cost Approach कहते हैं। केन्स ने इसके लिए $Y = A - U$ समीकरण दिया है।

यहाँ स्मरणीय है कि केन्स राष्ट्रीय आय की सही गणना करने के लिए कुल राष्ट्रीय उत्पत्ति (Gross National product) में से कुल घिसावट (Total Depreciation cost) को नहीं घटाकर User Cost को घटाते हैं, जो कुल घिसावट व्यय से थोड़ा कम होता है। केन्स के अनुसार User cost मशीन अथवा प्लांट को प्रयोग करने पर जो घिसावट होती है उसमें से प्लांट या मशीन को प्रयोग नहीं करने पर जो घिसावट होती है तथा उसके रख-रखाव पर जो व्यय होता है उसको घटा देने से प्राप्त होता है

प्राप्त होता है। User cost is the difference between the depreciation in the value of the machine when it is put to use and the depreciation which would occur if it is not in use plus the expenses incurred in its maintenance and upkeep)

Cost user को हम एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं। मान लिया जाय कि किसी मशीन का मूल्य वर्ष के प्रारम्भ में 2000 रु० है लेकिन वर्ष प्रयोग करने के बाद उसका मूल्य 1700 रु० रह जाता है। अतः प्रयोग में रहने पर उसका घिसावट व्यय 300 रु० के बराबर होगा। यदि मशीन का प्रयोग नहीं भी किया जाय तो वर्ष के अन्त तक उसका मूल्य कम होगा। मान लिया जाय कि प्रयोग में नहीं रहने पर वर्ष के अन्त में उसका मूल्य 1900 रु० हो जाता है। अतः 100 रुपये प्रयोग में नहीं रहने पर भी मशीन का घिसावट व्यय होता है। यह भी मान लिया जाय कि मशीन का नहीं होने पर इसके रख रखाव में 50 रुपये का खर्च होता है। अतः मशीन का user cost = 300 − (100+50) = 150 रुपये के होगा। इसी प्रकार यदि सभी फर्मों की user cost को जोड़ दिया जायेगा तो Aggregate user cost प्राप्त होता है जिसे कुल राष्ट्रीय उत्पत्ति (Gross National product) में से घटा देने पर राष्ट्रीय आय प्राप्त होगी

कुल राष्ट्रीय आय एवं शुद्ध राष्ट्रीय आय

(Gross National Income & Net National income.)

कुल राष्ट्रीय आय (Gross National Income)

राष्ट्रीय आय की धारणा को स्पष्ट करने के लिए कुल राष्ट्रीय उत्पादन (GNP) तथा शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन (NNP) की धारणाओं का सहारा लिया है, दूसरे शब्दों में किसी देश की राष्ट्रीय आय को उत्पादन के दृष्टिकोण से देखा गया है और उस देश के अन्तर्गत एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के रूप में व्यक्त किया गया है। लेकिन देश में प्रतिवर्ष उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं की गणना करने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अतः इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं की गणना एक दूसरे तरीके की जाती है।

हम जानते हैं कि किसी भी देश में वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन उत्पत्ति के साधन,- जैसे- भूमि, श्रम, पूँजी, संगठन एवं साहस के सहयोग से होता है, लेकिन राष्ट्रीय की गणना करते समय भूमि पर दिये गये लगान की गणना नहीं की जाती है